



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 88]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 3, 2012/फाल्गुन 13, 1933

No. 88]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 3, 2012/PHALGUNA 13, 1933

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मार्च, 2012

नियम

**सा.का.नि. 116(अ).—**भारतीय पुलिस सेवा में रिक्तियों को भरने के प्रयोजन के लिए वर्ष 2012 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सीमित प्रतियोगी परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :

- ये नियम, भारतीय पुलिस सेवा (भर्ती)-नियम, 1954 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय पुलिस सेवा में रिक्तियों को भरने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है।
- (1) परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में विनिर्दिष्ट की जाएगी। केन्द्रीय सरकार द्वारा नीयत किए गए अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्ग के लिए रिक्तियों का आरक्षण किया जाएगा।
- (2) भारतीय पुलिस सेवा को शारीरिक रूप से अपंग श्रेणी के लिए आरक्षण से मुक्त रखा गया है। इस परीक्षा में शारीरिक रूप से अपंग श्रेणी के उम्मीदवारों की भर्ती के लिए कोई आरक्षण नहीं होगा।
- उम्मीदवारों को संवर्ग (राज्य या संघ राज्यक्षेत्र) आवंटन के लिए अपनी प्राथमिकताएं दर्शानी चाहिए और यदि उम्मीदवार द्वारा संवर्ग आवंटन के लिए कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती है तो यह मान लिया जाएगा कि प्रदान की गई सेवा के लिए उसकी कोई विशिष्ट संवर्ग प्राथमिकता नहीं है, यदि किसी उम्मीदवार को उसकी पसंद का कोई संवर्ग आवंटित नहीं किया जाता है तो उसको शेष संवर्गों, जिनमें रिक्तियां विद्यमान हों, में से कोई संवर्ग आवंटित कर दिया जाएगा तथा संवर्ग आवंटन के संबंध में केन्द्रीय सरकार का विनिश्चय अंतिम होगा।

4 (1) लिखित परीक्षा, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इन नियमों से उपाबद्ध परिशिष्ट-1 में विनिर्दिष्ट रीति में आयोजित की जाएगी।

4 (2) उन तारीखों को तथा उन स्थानों पर जिन पर परीक्षा आयोजित की जाएगी उनको आयोग द्वारा नियत किया जाएगा।

5. निम्नलिखित पात्रता मापदंडों को पूरा करने वाले उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए पात्र होंगे, अर्थात् :

(क) जो भारत के नागरिक हों अथवा जो व्यक्तियों की उस श्रेणी से हों जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर अधिसूचित की जाए;

(ख) जिन्होंने राज्य पुलिस सेवा के अधीन राज्यों में पुलिस उपाधीक्षक अथवा केन्द्रीय परा सैनिक बलों (केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल तथा सशस्त्र सीमा बल) में सहायक कमांडेंट अथवा सशस्त्र बलों में कैप्टन अथवा मेजर अथवा समकक्ष रैंक के अधिकारियों के रूप में 5 वर्ष की सतत और वास्तविक सेवा पूरी की हो।

(ग) उसका सेवा रिकॉर्ड वेदांग होना चाहिए।

6(1) उम्मीदवार ने 1 अगस्त, 2012 को 35 वर्ष की आयु पूरी नहीं की हो अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1977 से पूर्व नहीं हुआ हो। तथापि, ऊपर विहित ऊपरी आयु-सीमा, अन्य पिछड़े वर्गों की श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए अधिकतम एक वर्ष तक तथा अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए अधिकतम दो वर्ष तक शिथिलनीय होगी।

6(2) आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मेट्रिकुलेशन के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में दर्ज हो। आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंडली, शपथ-पत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेखों से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा उन जैसे प्रमाण स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

स्पष्टीकरण: अनुदेश के इस भाग में मेट्रिकुलेशन या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र पदों के अंतर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1: उम्मीदवार ध्यान रखेंगे कि आयोग, जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि मेट्रिकुलेशन या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद में उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी 2 : उम्मीदवार यह भी ध्यान रखेंगे कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की

तारीख एक बार घोषित कर देने के और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें (या आयोग की अन्य किसी परीक्षा में) किसी भी आधार पर परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

6(3) उपरोक्त यथाउपबंधित के सिवाय निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी दशा में छूट नहीं दी जा सकती है।

7. परीक्षा में सम्मिलित होने वाला प्रत्येक उम्मीदवार, जो अन्यथा पात्र है, को इस परीक्षा में दो अवसर दिए जाएंगे तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों की दशा में एक अतिरिक्त अवसर दिया जाएगा।

8. उम्मीदवार के पास भारत की संसद या राज्य विधान मंडल द्वारा निगमित किसी विश्वविद्यालय या संसद के किसी अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में समझी जाने वाली घोषित किसी अन्य शिक्षा संस्था की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

9(1) भारत के राजपत्र में इन नियमों की अधिसूचना के पश्चात् उम्मीदवारों को अपना आवेदन विहित प्रारूप में संघ लोक सेवा आयोग यथा द्वारा विनिर्दिष्ट आवेदन की प्रक्रिया की अंतिम तारीख के भीतर प्रस्तुत करना होगा।

9(2) संघ लोक सेवा आयोग को आवेदन भेजते समय उम्मीदवारों को यह परिचय देना होगा कि उन्होंने अपने संबंधित प्राधिकारियों को यह तथ्य सूचित कर दिया है कि वे भारतीय पुलिस सेवा की सीमित प्रतियोगी परीक्षा में आवेदन कर रहे हैं।

9(3) उम्मीदवारों को उचित माध्यम से संघ लोक सेवा आयोग को अपने आवेदन की एक दूसरी प्रति पृथक् रूप प्रस्तुत भी करनी होगी जिसमें उनके संवर्ग नियंत्रक प्राधिकारियों को यह सत्यापित करना होगा कि वे सतर्कता की दृष्टि से मुक्त हैं और उन्होंने पात्र श्रेणियों में पांच वर्ष की अपेक्षित सेवा पूरी कर ली है।

9(4) संघ लोक सेवा आयोग, भारतीय पुलिस सेवा में भर्ती के लिए सीमित प्रतियोगी परीक्षा में किसी उम्मीदवार की पात्रता पर प्रारंभ में, उम्मीदवारों द्वारा सीधे प्रस्तुत किए गए आवेदनों से किए गए स्व-प्रमाणन के आधार पर विचार करेगा तथापि सम्यक् रूप से सत्यापित पात्रता शर्तों सहित उचित माध्यम से उनके आवेदन प्राप्त न होने की दशा में परीक्षा की किसी बाद की स्थिति में उनकी उम्मीदवारी को रद्द कर दिया जाएगा और परीक्षा में प्रवेश के लिए किसी उम्मीदवार के आवेदन तथा उसकी पात्रता को स्वीकार करने के बारे में या अन्यथा संघ लोक सेवा आयोग का विनिश्चय अंतिम होगा।

10. परीक्षा के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार यह सुनिश्चित करेंगे कि वे परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पात्रता की सभी शर्तें पूरी करते हैं और परीक्षा के उन सभी स्तरों, जिनके लिए उन्हें प्रवेश दिया गया है अर्थात् लिखित परीक्षा तथा व्यक्तित्व परीक्षण में उनका प्रवेश उनके द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करने के अधीन पूर्णतः अनंतिम होगा और यदि लिखित परीक्षा या व्यक्तित्व परीक्षण के

पहले या बाद में किसी भी समय सत्यापन करने पर यह पाया जाता है कि वे अपेक्षित पात्रता मापदंडों को पूरा नहीं करते हैं तो परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

11. पात्र उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण पत्र, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी किए जाएंगे और किसी उम्मीदवार को परीक्षा में बैठने की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक कि उसके पास आयोग द्वारा जारी विधिमान्य प्रवेशपत्र न हों।

12. जो उम्मीदवार निम्नांकित कदाचार का दोषी है या आयोग द्वारा दोषी घोषित हो चुका है:-

(i) निम्नलिखित तरीकों से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अर्थात्:-

- (क) गैर-कानूनी रूप से परितोषण की पेशकश करना, या
- (ख) दबाव डालना, या
- (ग) परीक्षा आयोजित करने से संबंधित किसी व्यक्ति को ब्लैकमेल करना अथवा उसे ब्लैकमेल करने की धमकी देना, अथवा

- (ii) नाम बदलकर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्यसाधन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए हैं जिसमें तथ्य को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- (v) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में निम्नलिखित साधनों का उपयोग किया है, अर्थात्:

(क) गलत तरीके से प्रश्न-पत्र की प्रति प्राप्त करना; या

(ख) परीक्षा से संबंधित गोपनीय कार्य से जुड़े व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करना; या

(ग) परीक्षकों को प्रभावित करना; या

- (vii) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया है; अथवा
- (viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना या भद्दे रेखाचित्र बनाना; अथवा
- (ix) परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करना जिसमें उत्तर पुस्तिकाओं को फाड़ना, परीक्षा देने वालों को परीक्षा का बहिष्कार करने के लिए उकसाना अथवा अव्यवस्था तथा ऐसी ही अन्य स्थिति पैदा करना शामिल है; अथवा
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो;
- (xi) परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन/पेजर या किसी अन्य प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या यंत्र अथवा संचार यंत्र के रूप में प्रयोग किए जा सकने वाला कोई अन्य उपकरण प्रयोग करते हुए या अपने पास पाया गया हो; या

- (xii) परीक्षा की अनुमति देते हुए उम्मीदवार को भेजे गए प्रमाण-पत्रों के साथ जारी आदेशों का उल्लंघन किया है; अथवा
- (xiii) उपर्युक्त खंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा अवप्रेरित करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासिक्यूशन) भी चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे:

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है और/अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्नलिखित द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है:-

आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए, विवर्जित किया जा सकता है।

- (ii) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा उनके अधीन किसी भी नौकरी से विवर्जित किया जा सकता है तथा समुचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है:-

परन्तु इन नियमों के अधीन कोई शास्ति तब तक अधिरोपित नहीं की जाएगी जब तक कि:

- (i) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया जाए, और
- (ii) उम्मीदवार द्वारा उसको अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार न कर लिया जाए।

13(1) जो उम्मीदवार, लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा उनके नियत किए गए न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेता है, उसे आयोग द्वारा आयोजित किए जाने वाले व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा और लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार में उम्मीदवारों के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की गई मेरिट लिस्ट के अनुसार आयोग द्वारा उम्मीदवारों की संस्तुति की जाएगी।

13(2) आयोग को किसी एक प्रश्न-पत्र या सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्रों में न्यूनतम अर्हक अंक नियत करने का विवेकाधिकार होगा तथा उसको केवल उन्हीं उम्मीदवारों के विवरणात्मक प्रश्न-पत्रों का मूल्यांकन करने का विवेकाधिकार होगा जिन्होंने वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्रों में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त किए हों।

13(3) परन्तु आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवार इन प्रवर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

14(1) साक्षात्कार के बाद आयोग, प्रत्येक उम्मीदवार को अंतिम रूप से प्रदान किए गए कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम के अनुसार उम्मीदवारों को व्यवस्थित करेगा तथा परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने के लिए विनिश्चित अनारक्षित रिक्तियों की संख्या के अनुसार योग्यता क्रम में आयोग द्वारा अर्हित पाए गए उम्मीदवारों की नियुक्ति की संस्तुति करेगा।

14(2) आयोग, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक, मानक में ढील देकर, इस पद पर चयन के लिए उनकी योग्यता के अध्यधीन रहते हुए अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के उम्मीदवारों की संस्तुति करेगा।

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के ऐसे उम्मीदवार, जिन्होंने परीक्षा के किसी भी स्तर पर पात्रता अथवा चयन मानदण्ड में रियायत अथवा ढील का उपयोग नहीं किया है और जो आयोग द्वारा सामान्य अर्हक मानदण्ड को ध्यान में रखते हुए संस्तुति के लिए उपयुक्त पाए गए, उन्हें अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए संस्तुत नहीं किया जाएगा।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

16(1) अभ्यर्थी का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य उत्तम होना चाहिए और ऐसे किसी भी शारीरिक दोष से मुक्त होना चाहिए, जो सेवा के अधिकारी के रूप में उसके कर्तव्यों का निर्वहन करने में बाधा बन सकता हो।

(2) यदि कोई अभ्यर्थी, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार अथवा नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा यथाविनिर्दिष्ट स्वास्थ्य परीक्षा के बाद इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता हुआ पाया जाता है, तो उसे नियुक्त नहीं किया जाएगा और आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु बुलाए गए अभ्यर्थी से गृह मंत्रालय द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा कराने की अपेक्षा की जा सकती है।

(3) मेडिकल परीक्षा हेतु अभ्यर्थी द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा के लिए मेडिकल बोर्ड को कोई भी शुल्क देय नहीं होगा।

17(1) किसी उम्मीदवार को समुदाय संबंधी आरक्षण का लाभ, केवल उसकी विशेष जाति को जिसका अभ्यर्थी है, केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी आरक्षित समुदाय संबंधी सूची में सम्मिलित किए जाने पर ही मिलेगा।

(2) यदि कोई उम्मीदवार अपने आवेदन प्रारूप में यह उल्लेख करता है या करती है कि वह सामान्य श्रेणी से संबंधित है किन्तु तत्पश्चात् अपनी श्रेणी को आरक्षित सूची की श्रेणी में परिवर्तित करने के लिए आयोग को सूचित करता है, तो आयोग द्वारा ऐसे अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

परन्तु कुछ ऐसे मामले हो सकते हैं जहां किसी समुदाय विशेष को किसी आरक्षित समुदायों की सूची में शामिल करने के संबंध में सरकारी अधिसूचना जारी किए जाने और उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र जमा करने की तारीख के समय के बीच 90 दिनों के भीतर का अंतर हो वहां समुदाय को सामान्य से आरक्षित समुदाय में परिवर्तित करने संबंधी अनुरोध पर आयोग द्वारा मैरिट के आधार पर विचार किया जा सकेगा।

(3) आवेदन प्राप्ति के लिए निर्धारित अंतिम तारीख को उम्मीदवार के अन्य पिछड़े वर्ग का स्तर (क्रीमी लेयर सहित) निर्धारित करने के तारीख के रूप में माना जाएगा।

#### 18. वह व्यक्ति -

- (क) जिसने किसी व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या
- (ख) जिसने अपने पति या पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

19. संस्तुत उम्मीदवारों की सूची, आयोग द्वारा गृह मंत्रालय को भेजी जाएगी जिससे ऐसे चयनित उम्मीदवारों, जो सरकार द्वारा की गई चिकित्सा जांचों के अनुसार चिकित्सा की दृष्टि से उपयुक्त पाए जाएं, के संबंध में संवर्ग आवंटन सहित नियुक्ति का प्रस्ताव जारी किया जा सके और चयनित उम्मीदवारों को सरकार के विनिश्चय के अनुसार प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और ये दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

20. परीक्षा में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को यात्रा खर्चों के लिए यात्रा भत्ता और महंगाई भत्ता, उनकी हकदारी के अनुसार, संबंधित कार्यालयों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा।

[फा. सं. आई-11016/4/2009-आई.पी.एस. I]

के. के. मित्तल, संयुक्त सचिव

परिशिष्ट-1

**भारतीय पुलिस सेवा में भर्ती की सीमित प्रतियोगी परीक्षा हेतु लिखित  
परीक्षा की स्कीम और पाठ्यक्रम**

परिशिष्ट-1खंड-1परीक्षा की योजना

यह परीक्षा दो भागों में होगी अर्थात् लिखित परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार।  
लिखित परीक्षा और साक्षात्कार का विवरण नीचे सारणी में दिया गया है।

प्रश्न पत्र I	वस्तुनिष्ठ प्रकार	2 घंटे अवधि	200 अंक
प्रश्न पत्र II	वस्तुनिष्ठ प्रकार	2 घंटे अवधि	200 अंक
प्रश्न पत्र III अंग्रेजी भाषा	वर्णनात्मक प्रकार	3 घंटे अवधि	200 अंक
प्रश्न पत्र IV निबंध	वर्णनात्मक प्रकार	3 घंटे अवधि	200 अंक
प्रश्न पत्र V सामान्य अध्ययन	वर्णनात्मक प्रकार	3 घंटे अवधि	200 अंक
साक्षात्कार			200 अंक

टिप्पणी 1 : लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के कुल अंक 1000 होंगे।

टिप्पणी 2 : प्रश्नपत्र III में केवल अर्हता प्राप्त करनी होगी तथा प्रश्नपत्र III के अंकों की गणना मैरिट रैंकिंग के लिए नहीं की जाएगी।

टिप्पणी 3 : वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न-पत्र, वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्न-पत्रों का मूल्यांकन करने के लिए, अर्हता प्रकृति के होंगे। तथापि, प्राप्त अंकों की गणना मैरिट रैंक तैयार करने के लिए की जाएगी।

टिप्पणी 4 : ऐसे दशा में, जहां समय की बचत के लिए प्रश्न-पत्र III और IV/V के साथ-साथ मूल्यांकन का सहारा लिया जाए वहां आयोग के पास ऐसे उम्मीदवारों, जो प्रश्न-पत्र-III के लिए अर्हक मानक प्राप्त नहीं करते हैं, के प्रश्न-पत्र IV और V को "मानित रूप से मूल्यांकन न किए गए प्रश्न-पत्र" के रूप में मानने का विवेकाधिकार होगा।

(क) प्रश्न-पत्र I और II (वस्तुनिष्ठ प्रकार)

टिप्पणी :

- (i) दोनों ही प्रश्न-पत्र, वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे।
- (ii) प्रश्न-पत्र, हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में तैयार किए जाएंगे। तथापि, दसवीं कक्षा स्तर के अंग्रेजी भाषा के बोधगम्यता कौशल से संबंधित प्रश्नों का परीक्षण, प्रश्न-पत्र में केवल अंग्रेजी भाषा के उद्धरणों के माध्यम से, हिन्दी अनुवाद उपलब्ध कराए बिना किया जाएगा।



- (iii) पाठ्यक्रम संबंधी विवरण खंड-II के भाग-क में दिया गया है।
- (iv) कुछ ऐसे प्रश्नों को छोड़कर जहां ऐसे प्रश्नों के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प तथा कम उपयुक्त विकल्प के लिए निर्धारित भिन्न-भिन्न अंकों के रूप में नेगेटिव मार्किंग उसी में अंतर्निहित होगी, सभी प्रश्नों के संबंध में गलत उत्तरों के लिए (नीचे किए गए उल्लेख के अनुसार) नेगेटिव मार्किंग होगी।
- क) प्रत्येक प्रश्न के उत्तर देने के लिए चार विकल्प होंगे। प्रत्येक ऐसे प्रश्न, जिसका उम्मीदवार ने गलत उत्तर दिया है, के लिए उस प्रश्न के लिए निर्धारित अंकों के एक-तिहाई (33%) अंक दंड के रूप में कम कर दिए जाएंगे।
- (ख) यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक उत्तर देता है तो इसे गलत उत्तर माना जाएगा चाहे उनमें से एक उत्तर सही हो और उस प्रश्न के लिए उपरोक्तानुसार समान दंड होगा।
- (ग) यदि किसी प्रश्न को खाली छोड़ा जाता है, अर्थात् उम्मीदवार द्वारा कोई उत्तर नहीं दिया जाता है तो उस प्रश्न के लिए कोई दंड नहीं होगा।
- (ख) प्रश्न पत्र-III, प्रश्न पत्र-IV एवं प्रश्न पत्र-V (वर्णात्मक प्रकृति)
- (क) प्रश्न पत्र-III : अंग्रेजी भाषा-प्रश्न पत्र। यह प्रश्नपत्र मैट्रिक परीक्षा के स्तर का होगा और यह केवल अर्हकारी प्रकृति का होगा। योग्यता श्रेणी तैयार करने के लिए इन अंकों को नहीं गिना जाएगा।
- (ख) प्रश्नपत्र IV :- निबंध-प्रश्नपत्र। इसमें दो निबंध होंगे, एक निबंध सुरक्षा पहलु से संबंधित होगा और दूसरा समाज के विभिन्न विकासात्मक पहलुओं पर होगा।
- (ग) प्रश्नपत्र V :- सामान्य अध्ययन-प्रश्नपत्र, जिसमें लोक विधि के मूल सिद्धांत, सरकार की नीति, मौलिक अधिकार, मानवाधिकार, आपदा प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा आदि जैसे विभिन्न पहलू शामिल होंगे।

#### टिप्पणी :

- (i) वर्णनात्मक प्रकृति के प्रश्नपत्रों (प्रश्न पत्र-III, IV और प्रश्नपत्र V) का पाठ्य विवरण खण्ड-II के भाग-ख में दिया गया है।

- (ii) निबंध प्रश्नपत्र ( प्रश्नपत्र IV) तथा सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र (प्रश्नपत्र V) (वर्णनात्मक प्रकृति) के उत्तर अंग्रेजी अथवा हिन्दी में देने होंगे। किसी अन्य भाषा अथवा मिश्रित भाषा में (अर्थात् अंशतः हिन्दी में तथा अंशतः अंग्रेजी में) उत्तर देने की अनुमति नहीं होगी।
- (iii) उम्मीदवार को प्रश्नपत्रों के लेखन का कार्य स्वयं अपने हाथ से करना चाहिए।
- (iv) आयोग को परीक्षा के किसी अथवा सभी प्रश्नपत्रों के अर्हकारी अंक निर्धारित करने का विवेकाधिकार होगा।
- (v) यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने योग्य न होगी, तो इसके लिए उसके कुल अंकों या अन्य प्रकार से उपार्जित अंकों में कटौती की जाएगी। अत्यधिक मामलों में, प्रश्न पत्र का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।
- (vi) मात्र सतही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।
- (vii) परीक्षा के सभी विषयों में कम से कम शब्दों में की गई क्रमबद्ध, प्रभावी एवं सटीक अभिव्यक्ति को श्रेय दिया जाएगा।
- (viii) प्रश्नपत्रों में यथावश्यक एस आई इकाइयों का प्रयोग किया जाएगा।
- (ix) प्रश्न पत्रों के उत्तर देते समय उम्मीदवारों को केवल भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप (जैसे-1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का प्रयोग करना चाहिए।
- (x) उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र (प्रश्न पत्रों) में दिए गए निदेशों/अनुदेशों का कड़ाई से पालन करना चाहिए।
- (ग) व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार

उम्मीदवार का साक्षात्कार, एक बोर्ड द्वारा होगा जिसके सामने उम्मीदवार के परिचयवृत्त का अभिलेख होगा। उससे सामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जाएंगे। साक्षात्कार का यह उद्देश्य होगा कि सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि उम्मीदवार लोक सेवा के लिए व्यक्तित्व की दृष्टि से उपयुक्त है या नहीं। यह परीक्षा उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के आशय से की जाती है। मोटे तौर पर इसका प्रयोजन वास्तव में न केवल उसके बौद्धिक गुणों को अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और सामयिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी मूल्यांकन करना है। इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, स्पष्ट और तर्कसंगत प्रतिपादन की शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विविधता और गहराई, नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता, बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी की भी जांच की जाती है।

साक्षात्कार में सख्त प्रतिपरीक्षण की प्रणाली नहीं अपनाई जाती अपितु, इसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से, उम्मीदवार के मानसिक गुणों का पता लगाने का प्रयत्न किया जाता है, यद्यपि वह वार्तालाप एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से की जाती है।

साक्षात्कार परीक्षण उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान की जांच करने के आशय से नहीं किया जाता है, क्योंकि उसकी जांच लिखित प्रश्नपत्रों से पहले ही हो जाती है। उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे न केवल अपने शैक्षणिक अध्ययन के विशेष विषयों में ही पारंगत हों बल्कि उन घटनाओं पर भी ध्यान दें जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधारा और नई-नई खोजों में भी रुचि लें जो कि सुशिक्षित युवक में जिज्ञासा पैदा कर सकती हैं।

### खंड-II

#### परीक्षा का पाठ्य विवरण

##### भाग-क

##### वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पत्र

##### प्रश्नपत्र-I (200 अंक) अवधि: दो घंटे

- राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की सामयिक घटनाएं।
- भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन।
- भारत एवं विश्व भूगोल-भौतिक, सामाजिक, आर्थिक।  
भारत एवं विश्व का भूगोल
- भारतीय राज्यतंत्र और शासन-संविधान, राजनैतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोक नीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे, आदि।
- आर्थिक और सामाजिक विकास - सतत विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहलें आदि।
- पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव - विविधता और मौसम परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिए विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है।
- सामान्य विज्ञान।

##### प्रश्नपत्र-II (200 अंक) अवधि: दो घंटे

- बोधगम्यता
- संचार कौशल सहित अंतर-वैयक्तिक कौशल

- तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्क क्षमता
- निर्णय लेना और समस्या समाधान
- सामान्य मानसिक योग्यता
- आधारभूत संख्यनन (संख्याएं और उनके संबंध, विस्तार-क्रम आदि) (दसवीं कक्षा का स्तर), आंकड़ों का निर्वचन (चार्ट, ग्राफ, तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता आदि-दसवीं कक्षा का स्तर)
- अंग्रेजी भाषा में बोधगम्यता कौशल ( दसवीं कक्षा का स्तर)

टिप्पणी: दसवीं कक्षा के स्तर के अंग्रेजी भाषा की बोधगम्यता कौशल (प्रश्नपत्र-II के पाठ्यक्रम में अंतिम मद) से संबद्ध प्रश्नों का परीक्षण, प्रश्नपत्र में केवल अंग्रेजी भाषा के उद्धरणों के माध्यम से, उसका हिन्दी अनुवाद उपलब्ध कराए बिना किया जाएगा।

भाग-ख

वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्नपत्र

प्रश्नपत्र III : अंग्रेजी (200 अंक/अवधि-3 घंटे):- यह मैट्रिक अथवा समकक्ष स्तर की केवल एक अर्हकारी परीक्षा होगी।

इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य उम्मीदवार की अंग्रेजी पढ़ने और अंग्रेजी के गंभीर तर्कमूलक गद्य को समझने तथा अपने विचारों को अंग्रेजी में स्पष्ट रूप में और सही तरीके से अभिव्यक्त करने की सामर्थ्य की जांच करना है।

मोटे तौर पर प्रश्नों का नमूना निम्नवत होगा (मात्र सांकेतिक):-

- दिए गए गद्यांशों की बोधगम्यता;
- सार लेखन;
- प्रयोग और शब्दावली;
- पैराग्राफों का लेखन;

टिप्पणी I : इस प्रश्नपत्र में सभी प्रश्नों के उत्तर केवल अंग्रेजी में देने होंगे।

प्रश्नपत्र- IV निबंध (200 अंक/अवधि-तीन घंटे)

उम्मीदवारों को दो निबंध लिखने होंगे। एक विषय भारतीय समाज/राजनीति/अर्थ व्यवस्था/विकास, वृद्धि एवं संबद्ध पहलुओं से संबंधित होगा। दूसरा विषय सुरक्षा एवं संबद्ध मामलों से संबंधित होगा। उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे अपने विचारों को क्रमबद्ध करते हुए निबंध के विषय से निकटता बनाए रखें और अपनी बात संक्षेप में लिखें। प्रभावशाली व सटीक अभिव्यक्तियों को श्रेय दिया जाएगा।

प्रश्न पत्र V : सामान्य अध्ययन (200 अंक/अवधि-तीन घंटे)

प्रश्न इस प्रकार के होंगे कि इनसे विभिन्न विषयों के बारे में अभ्यर्थी की जागरूकता की परीक्षा होगी तथा इनसे उम्मीदवार की सभी संगत मुद्दों की मूलभूत समझ और द्वन्द्वयुक्त सामाजिक आर्थिक लक्ष्यों, उद्देश्यों तथा मांगों की विश्लेषण का सामर्थ्य और उन पर राय कायम करने की योग्यता की परीक्षा हो सकेगी। उम्मीदवार को प्रासंगिक, अर्थपूर्ण और सारगर्भित उत्तर देने होंगे।

टिप्पणी: उम्मीदवार इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी अथवा हिन्दी में दे सकता है। किसी अन्य भाषा में उत्तर देने अथवा मिश्रित भाषा का प्रयोग करने की (अर्थात् आंशिक रूप से अंग्रेजी में और आंशिक रूप से हिन्दी में) अनुमति न होगी।

पाठ्य विवरण:

क) भारत के इतिहास और भूगोल के बारे में संक्षिप्त विचार।

ख) भारत का संविधान और भारतीय राजनैतिक व्यवस्था

इस भाग के अंतर्गत भारत के संविधान तथा साथ ही सांविधिक, विधिक, प्रशासनिक एवं देश में प्रचलित राजनैतिक-प्रशासनिक व्यवस्था से उभरने वाले अन्य मुद्दों पर प्रश्न पूछे जाएंगे।

ग) समसामयिक राष्ट्रीय मुद्दे एवं सामाजिक प्रासंगिकता से संबंधित विषय

इस भाग का अभिप्राय अभ्यर्थी की समसामयिक राष्ट्रीय मुद्दों एवं वर्तमान भारत की सामाजिक प्रासंगिकता के विषयों के प्रति, जैसे-कि नीचे दिए जा रहे हैं, जागरूकता की परीक्षा करना है:-

- (i) भारतीय अर्थ व्यवस्था तथा योजना, संसाधनों के जुटाव, संवृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे;
- (ii) विकास के लाभों से व्यापक वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक बहिष्करण से उभरने वाले मुद्दे।
- (iii) मानव संसाधन के विकास एवं प्रबंध से संबंधित अन्य मुद्दे।

- (iv) स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे जिसमें जन स्वास्थ्य प्रबंधन, स्वास्थ्य शिक्षा तथा स्वास्थ्य की देखभाल से संबंधित नैतिक सरोकार सम्मिलित हैं।
- (v) विधि प्रवर्तन, आंतरिक सुरक्षा तथा संबंधित मुद्दे जैसे कि सामुदायिक सामंजस्य का परिरक्षण।
- (vi) मानवाधिकारों के अनुरक्षण एवं लोक-जीवन में सत्यनिष्ठा सहित सुशासन एवं नागरिकों के प्रति जवाबदेही से संबंधित मुद्दे।
- (vii) पर्यावरण से जुड़े मुद्दे, पारिस्थितिक परिरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों और राष्ट्रीय विरासत का संरक्षण।

(घ) भारतीय समाज के कार्यकारी अंग के रूप में भारत की विविधता, विविधता में एकता तथा अनेकता। राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारणों से द्वन्द्व। द्वन्द्व का समाधान।

(ङ.) प्रजातांत्रिक अधिकार एवं नागरिकों के विशेषाधिकार, शासन से संगत उभरते सामाजिक परिवर्तन या प्रवृत्तियाँ।

(च) राष्ट्रीय सुरक्षा: रक्षा बलों, परा सैनिक बलों एवं पुलिस की संरचना एवं कार्य। कट्टरवाद, उग्रवाद एवं आतंकवाद का उदभव, संवृद्धि एवं आयाम। संगठित अपराध एवं आतंकवाद के स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय आयाम तथा इनसे मुकाबला करने के उपाय। "सफेदपोश" एवं साइबर अपराध, धनशोधन एवं कर-अपवंचन वाले देश। विधिविज्ञान जांच सहित अपराध की जांच, निवारण एवं अन्वेषण में प्रौद्योगिकी। हथियार एवं हथियारों का प्रशिक्षण जिसके बारे में एक वर्दीधारी अधिकारी को जानकारी होनी चाहिए। प्राकृतिक तथा मानव जनित आपदाओं सहित सुरक्षा उद्देश्यों, आपदा प्रबंधन के भाग के रूप में खाद्य सुरक्षा, उर्जा सुरक्षा, जल सुरक्षा, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आत्म निर्भरता।

(छ) सांख्यिकीय विश्लेषण, ग्राफ तथा चित्र: इस भाग से उम्मीदवार की सांख्यिकीय, ग्राफीय अथवा चित्रों के रूप में प्रस्तुत सूचना से निष्कर्ष निकालने एवं उनकी व्याख्या करने की सामर्थ्य की परीक्षा होगी।

परिशिष्ट-2

भारतीय पुलिस सेवा के संबंध में संक्षिप्त विवरण जिसके लिए भारतीय पुलिस सेवा सीमित प्रतियोगी परीक्षा द्वारा भर्ती की जाती है

(क) नियुक्ति दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर होगी जिसे कतिपय शर्तों के अधीन रहते हुए बढ़ाया जा सकेगा। सफल अभ्यर्थी को परिवीक्षा की अवधि के दौरान ऐसे स्थान पर और ऐसी रीति से प्रशिक्षण लेना होगा और ऐसी परीक्षाएं पास करनी होंगी जो सरकार अवधारित करे।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परिवीक्षाधीन का यथास्थिति कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है या, उसे स्थायी पद पर प्रत्यावर्तित कर सकती है जिस पर उसका धारणाधिकार है या सेवा में उसकी नियुक्ति से पहले पूर्वतः लागू नियमों के अधीन लिखित निलंबित न कर दिया गया हो धारणाधिकार रखता है।

(ग) सरकार परिवीक्षा अवधि के संतोषजनक रूप से पूरा होने पर अधिकारी को सेवा में स्थायी कर सकेगी अथवा यदि सरकार की राय में, उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकेगी या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे कतिपय शर्तों के अधीन रहते हुए बढ़ा सकेगी।

(घ) भारतीय पुलिस सेवा का कोई अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अधीन भारत में या विदेश में किसी स्थान पर सेवा करने का उत्तरदायी होगा।

(ङ) वेतनमान :

रैंक	समय-वेतनमान	वेतनमान		
		संशोधित वेतनमान	ग्रेड पे	संशोधन पूर्व
पुलिस अधीक्षक	कनिष्ठ वेतनमान	15,600-39,100 रु.	5400 रु.	8,000-275-13,500 रु.
	ज्येष्ठ वेतनमान	15,600-39,100 रु.	6600 रु.	10,000-325-15,200 रु.
	कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड	15,600-39,100 रु.	7600 रु.	12,000-375-16,500 रु.
	चयन ग्रेड	37,400-67,000 रु.	8700 रु.	14,300-400-18,300 रु.
उप महानिरीक्षक	सुपर समय वेतनमान	37,400-67,000 रु.	8900 रु.	16,400-450-20,000 रु.
महानिरीक्षक	सुपर समय वेतनमान	37,400-67,000 रु.	10,000 रु.	18,400-500-22,400 रु.

अपर	सुपर समय वेतनमान	37,400-67,000	12,000 रु.	22,400-525-24,500 रु.
महानिदेशक	से ऊपर	रु.		
महानिदेशक	सुपर समय वेतनमान	उ.प. ग्रे. 75500-	शून्य	24,050-650-26,000 रु.
	से ऊपर			
		80,000 रु. (3%		
		की दर से		
		वेतनवृद्धि)		26,000 रु (नियत)
		80,000 रु.		
		(नियत)		

महंगाई भत्ता अखिल भारतीय सेवा (महंगाई भत्ता) नियम, 1972 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसरण में अनुज्ञेय होगा।

परिवीक्षाधीन कनिष्ठ समय वेतनमान में प्रारंभ होगी और परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को समय वेतनमान में वेतन वृद्धि या पेंशन, छुट्टी के लिए गणना में लेने को अनुज्ञात होगा। कोई अधिकारी, भारतीय पुलिस सेवा-सीमित प्रतियोगी परीक्षा के द्वारा नियुक्ति से पूर्व किसी वर्ग-1 समूह के पदधारण करने वाले अधिकारी की दशा में कतिपय बातों को उसके पूरा करने के अधीन रहते हुए व्यक्तिगत वेतन का उपबंध किया जा सकेगा।

(च) भविष्य निधि - भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित अखिल भारतीय सेवा (भविष्य निधि) नियम, 1955 से शासित होते हैं।

(छ) छुट्टी- भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियम, 1955 द्वारा शासित होते हैं।

(ज) चिकित्सा परिचर्या- भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों को समय-समय पर यथा संशोधित अखिल भारतीय सेवा (चिकित्सा परिचर्या) नियम, 1954 के अधीन प्राप्त चिकित्सा परिचर्या की सुविधाएं पाने के हकदार हैं।

(झ) सेवानिवृत्ति लाभ - प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु व सेवानिवृत्ति लाभ) नियम, 1958 द्वारा शासित होते हैं।



## अभ्यर्थियों के शारीरिक परीक्षण संबंधी विनियम

अभ्यर्थियों की सुविधा तथा उनके अपेक्षित शारीरिक मानक होने की संभावना सुनिश्चित करने के लिए ये विनियम प्रकाशित किए जा रहे हैं। ये विनियम चिकित्सा परीक्षकों का भी मार्गदर्शन करेंगे। चिकित्सा बोर्ड के लिए, यह बात ध्यान में रखी जानी चाहिए कि भारतीय पुलिस सेवा तकनीकी सेवा की प्रवर्ग के अधीन आती है।

1. भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी अभ्यर्थी को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण विवेकाधिकार होगा।

2. नियुक्ति के योग्य रूप में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को यह आवश्यक होगा कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा हो और कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक कार्य निष्पादन में बाधा पड़ने की संभावना हो।

"2 (क) भारत के अभ्यर्थियों (जिसके अंतर्गत एंग्लो इंडियन मूल वंश भी हैं) की आयु-सीमा, ऊँचाई और छाती के घेरे के सह संबंध के मामले में, यह मेडिकल बोर्ड पर छोड़ दिया गया है कि अभ्यर्थियों की जांच में दिशा-निर्देश के लिए कौन सा सह संबंध आंकड़ा सर्वाधिक उपयुक्त होगा। यदि ऊँचाई, वजन और छाती की माप में कोई विसंगति होती है, तो अभ्यर्थी को बोर्ड द्वारा उपयुक्त या अनुपयुक्त घोषित किए जाने से पूर्व जांच और छाती के एक्स-रे जांच के लिए उसे अस्पताल में भर्ती किया जाना चाहिए।"

(ख) तथापि, भारतीय पुलिस सेवा के लिए कद और छाती के घेरे का न्यूनतम मानक जिस पर पूरा न उतरने पर अभ्यर्थियों को स्वीकार नहीं किया जा सकता है, नीचे दिया जा रहा है:-

	ऊँचाई	छाती	छाती का फैलाव (पूर्णतया फुलाकर)
पुरुष	165 से.मी.	84 से.मी.	5 से.मी.
महिलाएं	150 से.मी.	70 से.मी.	5 से.मी.

टिप्पण : अनुसूचित जनजातियों और गोरखा, असमिया, कुमायूँ, नागा जैसे मूल वंश से सम्बद्ध अभ्यर्थियों के मामले में निम्नलिखित न्यूनतम छूट देकर ऊँचाई मानक भारतीय पुलिस सेवा के लिए लागू है :-

पुरुष	160 से.मी.
महिलाएं	145 से.मी.

3. अभ्यर्थी की लंबाई निम्नलिखित रूप में नापी जाएगी :

वह अपने जूते उतार देगा और उसे मानक से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय गट्टियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े सीधा खड़ा होगा और उत्तकी एड़ियां, पिंडलियां, नितम्ब और कंधे मानक के साथ लगे रहेंगे। उसकी ठोड़ी नीचे रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेक्स ऑफ दि हैड लेबल) क्षैतिज बार (आड़ा फूड) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में नापा जाएगा।

4. अभ्यर्थी की छाती को निम्नलिखित रूप से नापी जाएगी :

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों, उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका किनारा असफलक शोल्डर ब्लेड के निम्न कोणों (इंफीरियर एंगल्स) से लगा रहे और वह फीते को छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें लटका रहने दिया जाएगा, किंतु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे के ऊपर या कंधे के नीचे की ओर न किए जाएं जिससे कि फीता न हिले तब उन्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93.5 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के अंशों (फ्रैक्शन) को नहीं लिखना चाहिए।

टिप्पण: अभ्यर्थियों की ऊँचाई और छाती की माप अंतिम विनिश्चय पर पहुंचने से पूर्व दो बार लेनी होगी।

5. अभ्यर्थी का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में अभिलिखित किया जाएगा, आधे किलोग्राम के अंश को नहीं लिखना चाहिए।

6. (क) अभ्यर्थी की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम अभिलिखित किया जाएगा :-

- (i) साधारण- अभ्यर्थियों की आंखों की साधारण परीक्षा की जाएगी जिसका उद्देश्य किसी बीमारी अथवा अप्रसामान्यता का पता लगाना होगा। अभ्यर्थी यदि आंख, पलकों की ऐसी रुग्ण दशा से पीड़ित हो अथवा इस प्रकार की संसक्त संरचना रखता हो जो उसे सेवा के लिए अयोग्य बनाती हो या भविष्य में बना सकती हो तो उसे अस्वीकार कर दिया जाएगा।

- (ii) दृष्टि तीक्ष्णता : दृष्टि की तीक्ष्णता के निर्धारण की परीक्षा में दो परीक्षण सम्मिलित होंगे— एक दूर दृष्टि के लिए तथा दूसरा निकट दृष्टि के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जाएगी।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नैकेड आई विजन) की कोई उच्चतम सीमा नहीं होगी तथापि प्रत्येक मामले में, चिकित्सा बोर्ड या अन्य चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा इसे अभिलिखित किया जाएगा। क्योंकि इससे आंख की दशा के बारे में मूल जानकारी (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर के निर्धारित मानक निम्नलिखित होंगे।

(घ) (i) भारतीय पुलिस सेवा, जो एक तकनीकी सेवा है, के संबंध में मायोपिया (जिसके अंतर्गत सिलिंडर भी हैं) कुल 4.00 डी से अधिक नहीं होगी। हाइपरमेट्रोपिया (सिलिंडर मिलाकर) कुल +4.00 डिग्री से अधिक नहीं होगी।

परन्तु भारतीय पुलिस सेवा से संबंधित किसी अभ्यर्थी की दशा में जो 'तकनीकी' के रूप में वर्गीकृत है, उच्च मायोपिया के आधार पर अयोग्य पाया जाए तो वह मामला तीन दृष्टि विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को विनिर्दिष्ट जाएगा जो घोषणा करेंगे कि यह माओपिया क्या निकट दृष्टि रोगात्मक है अथवा नहीं। यदि यह मामला रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा, परन्तु वह दृष्टि संबंधी अपेक्षाओं को अन्यथा पूरा करता है।

(ii) मायोपिया के प्रत्येक मामले में, फंडस परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम अभिलिखित किए जाएंगे। यदि अभ्यर्थी की वर्तमान में ऐसी रोगात्मक दशा हो जो कि बढ़ सकती है और अभ्यर्थी की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ड) दृष्टि क्षेत्र - सम्मुख पद्धति (कन्फ्रन्टेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच होगी। जब ऐसी जांच का परिणाम असंतोषजनक या संदिग्ध हो तो दृष्टि क्षेत्र को पैरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

	अच्छी आंख (शोधित दृष्टि)	खराब आंख
1. दूर दृष्टि :	6/6 या 6/9	6/12 या 6/9
2. निकट दृष्टि:	जे1**	जे2 **
3. सुधार के मान्य प्रकार:	ऐनक	
4. अपर्वतक त्रुटि की मान्य सीमाएं:	+4.00 डी (सिलेंडर सहित)-गैर विकृतिजन्य (मायोपिया)	निकट दृष्टि +4.00 डी (सिलेंडर सहित)-

## (हाइपरमैट्रोपिया)

5. अपेक्षित रंग दृष्टि : उच्च ग्रेड  
6. आवश्यक द्विवेत्री दृष्टि हां

\*नेत्र विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेजने के लिए।

(च) रतौंधी (नाईट ब्लाइंडनेस)- साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है-(1) विटामिन (ए) की कमी होने के कारण और (2) रेटिना के शारीरिक रोग के कारण जिसका सामान्य कारण रेटिनिटिस पिगमेनटोसा होता है। (1) में फंडस की स्थिति सामान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' खाने से ठीक हो जाती है। (2) में प्रायः अंतर्वर्णित होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी में लोग प्रौढ़ होते हैं और अक्सर खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होते हैं। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस श्रेणी में आएंगे। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अंधेरा अनुकूलन परीक्षा से स्थिति का पता चल जाएगा। विशेषतया उपर्युक्त (2) के लिए जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रो-रेटिनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है इन दोनों जांचों (अंधेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में समय अधिक लगता है तथा किसी चिकित्सा जांच में यह एक दैनन्दिन जांच के बतौर की जाती है।

(छ) रंग दृष्टि : भारतीय पुलिस सेवा के संबंध में रंग दृष्टि की जांच आवश्यक होगी।

भारतीय पुलिस सेवा के लिए रंग प्रत्यक्षज्ञान निम्नलिखित के अनुसार के उच्चतर श्रेणी के होने चाहिए।

- |                                      |              |
|--------------------------------------|--------------|
| 1. लैम्प और अभ्यर्थी के मध्य की दूरी | 16 फीट       |
| 2. द्वारक (एपर्चर) का आकार           | 1.3 मि. मीटर |
| 3. उदभासन काल                        | 5 सैकण्ड     |

लाल संकेत, हरे संकेत और पीला रंग के संकेतक को आसानी से और बिना हिचकिचाहट के पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इशियारा की प्लेटों के उपयोग, जिन्हें अच्छी रोशनी में और एंड्रीज ग्रीज जैसी उपर्युक्त लैंटर्न की रोशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए पर्याप्त विश्वसनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों में से किसी भी एक की जांच को साधारणतया तथा पर्याप्त समझा जा सकता है लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात में संबंधित सेवाओं के लिए लैंटर्न जांच करना अनिवार्य है। शंकाप्रद मामलों में जब किसी अभ्यर्थी को दोनों जांचों में से केवल एक जांच द्वारा अयोग्य पाया जाए तो दोनों जांच करनी चाहिए। तथापि, अभ्यर्थियों के लिए रंग दृष्टि के परीक्षा के लिए इशियारा प्लेट और एंड्रीज की हरी लैंटर्न दोनों का उपयोग किया जाएगा।

(ज) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन)।

(i) किसी कामिक रोग या बढ़ती हुई अपवर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव एरर) जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना है किसी अयोग्यता का कारण होगा।

(ii) भँगापन (स्कवेंट) तकनीकी सेवाओं के लिए जहाँ द्विनेत्री (वाइजोकुलर) दृष्टि का होना आवश्यक है, दृष्टि की तीक्ष्णता विहित स्तर पर होने पर भी भँगापन की अयोग्यता का कारण समझना चाहिए, दृष्टि की तीक्ष्णता विहित स्तर की होने पर भँगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(iii) कोन्टेक्ट लेंस: अभ्यर्थी की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कोन्टेक्ट लेंस के प्रयोग का अनुज्ञात नहीं होगा। यह आवश्यक है कि आँख की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाईप किए हुए अक्षरों को 15 फीट रेडिल प्रदीप्त की प्रदीप्त से हो।

## 6 रक्त दाव

रक्त दाव के संबंध में बोर्ड अपने विवेकाधिकार का प्रयोग करेगा। सामान्य उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की मामूली पद्धति विधि नीचे दी गई है:-

(1) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत रक्त दाव लगभग 100+ में आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में रक्त दाव आकलन करने के लिए 110 में आधी आयु जोड़ देने का साधारण नियम बिल्कुल संतोषजनक है।

पाद टिप्पण:- साधारण नियम के रूप में, 140 एम. एम. के ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की और 90 एम.एम. के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और अभ्यर्थी को योग्य या अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि अभ्यर्थी को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर में वृद्धि थोड़े समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय की एकसरे और विद्युत हृदय लेखी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षा और रक्त यूरिया निकास (क्विलयरेस) की जांच भी नियमित रूप से की जानी चाहिए फिर भी अभ्यर्थी के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम विनिश्चय केवल चिकित्सा बोर्ड ही करेगा।

### (रक्त दाव) लेने का पद्धति:

नियम के रूप में मर्करीमेनोमीटर किस्म का उपकरण (इन्सट्रूमेंट) उपयोग करना होगा। किसी किस्म के व्यायाम या उत्तेजना के पश्चात पन्द्रह मिनट तक रक्त दाव नहीं लेना चाहिए। रोगी या तो बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषतया उसकी भुजा शिथिल हो आराम से हो कुछ क्षैतिज स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को सहजता से सहारा दिया गया है। भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ

में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रखकर ओर इसके नीचे किनारे की कोहनी के मोड़ में एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से फैलाना चाहिए, ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकलें।

कोहनी के मोड़ पर धड़कन द्वारा क्लोम धमनी (ब्रेकियल आर्टरी) का पता लगाया जाता है और जब उस पर हल्के से और मध्य में स्टैथेस्कोप को लगाया जाता है किन्तु कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम एम एच जी हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का स्तम्भ टिका होता है सिस्टोलिक दाव दर्शाता है जब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जायें वह डायस्टोलिक दाव है। रक्त दाव काफी थोड़ी अवधि में ही लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकर होता है और इससे पठन गलत हो जाती है। यदि दोबारा जांच करना आवश्यक हो तो कफ में पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद में ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं, दबाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस "प्रछन्न अंतराल" से पठन में गलती हो सकती है।

7. मूत्र की परीक्षा की (परीक्षक की उपस्थिति में किए गए) जानी चाहिए और परिणाम अभिलिखित किया जाना चाहिए। जहां चिकित्सा बोर्ड को किसी अभ्यर्थी के मूत्र में रसायनिक जांच द्वारा शर्करा प्राप्त हो तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलूओं की परीक्षा समीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के किन्हीं चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड अभ्यर्थी की ग्लूकोस मेह (ग्लाइकोसुरिया) सिवाय, अपेक्षित चिकित्सीय उपयुक्तता के मानक के अनुरूप पायें तो वह अभ्यर्थी को कर सकेगा कि ग्लूकोस अमधुमेही (नान-डायबिटिक) गुलाइक्रोसुरिया के अधीन रहते हुए बोर्ड केस को मैडीसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञों के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। चिकित्सा विशेषज्ञ क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षण जिसे वह आवश्यक समझे, करेगा जिसके अंतर्गत मानक रक्त शर्करा परीक्षण भी है और अपनी राय चिकित्सा बोर्ड को भेज देगा जिस पर चिकित्सा बोर्ड की "फिट या अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगा। दूसरे अवसर पर अभ्यर्थी के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना अपेक्षित नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह आवश्यक हो सकता है कि अभ्यर्थी को कई दिनों तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

8. यदि जांच परिणामस्वरूप कोई महिला अभ्यर्थी 12 सप्ताह या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब पुष्टि होने तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी से उपयुक्तता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर प्रसूति की तारीख से 6 सप्ताह पश्चात उपयुक्तता प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

## 9. निम्नलिखित अतिरिक्त बिन्दुओं का प्रेक्षण करना चाहिए:-

(क) अभ्यर्थी की प्रत्येक कान से अच्छा सुनता है और कान की बीमारी का कोई चिन्ह है। यदि कोई दोष होने की दृष्टि में अभ्यर्थी की परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए परन्तु यदि सुनने में दोष है शल्य क्रिया (आपरेशन) या प्रवणयंत्र सहायता के उपयोग से दूर हो सकता है तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता परन्तु उस कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जा रही है:

(1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण यदि उच्च फ्रिक्वेंसी में बहरेपन 30 बहरेपन दूसरा कान सामान्य डेसीबल तक हो तो नियुक्ति के लिए योग्य नहीं।

(2) दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच बोध, जिसमें श्रवण यंत्र सहायता फ्रिक्वेंसी में बहरेपन 30 डेसीबल तक (हियरिंग एड) द्वारा कुछ संभव हो तो काम के लिए योग्य।

(3) केन्द्रीय अथवा मार्जिनल टाइप के टिम्पेनिक मेम्बरेन में छिद्र।

(1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिम्पेनिक मेम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(2) के अधीन विचार किया जा सकता है।

(2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर ही अयोग्य।

(3) दोनों कानों में केन्द्रीय छिद्र पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मास्टायड कैविटी से सब-नार्मल श्रवण।

(1) किसी एक कान से सामान्य रूप से एक ओर से मास्टायड कैविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान में सब-नार्मल श्रवण वाले कान मास्टायड, कैविटी होने पर योग्य।

- (2) दोनों ओर से मास्टायड कैविटी योग्य।
- अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला
- (1) प्रत्येक मामले की परिस्थिति के अनुसार निर्णय किया जाएगा।
- (6) नासापाट की हड्डी संबंधी विरूपताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहक एलर्जिक दशा।
- (2) यदि लक्षणों सहित नासापट अपसरण विद्यमान होने पर अस्थाई रूप से अयोग्य।
- (7) टॉसिल्ल और/अथवा स्वर यंत्र (लैरिक्स) के लिए प्रवाहक दशा
- (1) टॉसिल और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रवाहक दशा योग्य।
- (2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (8) कान, नाक, गले, (ई.एन.टी.) के हल्के अथवा अपने स्थान पर बुरे ट्यूमर।
- (i) हल्का ट्यूमर अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (ii) दुर्लभ ट्यूमर-अयोग्य
- (9) आस्टोकिलरीसिस श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डैसिबल के अन्दर होने पर योग्य
- योग्य
- (10) कान, नाक, अथवा गले के जन्मजात दोष।
- (1) यदि नाक और कान के कामकाज में बाधक न हो तो योग्य।
- (2) गंभीर श्रेणी में हकलाहट हो तो अयोग्य।
- अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (11) नेजल/पॉली
- (ख) अभ्यर्थी बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।



- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है और छाती पर्याप्त फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़ा ठीक है या नहीं।
- (ङ.) उसे पेट की किसी बीमारी का साक्ष्य है या नहीं।
- (च) उसके रक्त-चाप है या नहीं।
- (छ) उसके हार्डोसिल वॉल्व हर्ड बैरिकोसिल बैरिकाजिशरा (बेन) या बवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके अंगों, हाथों पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसका सभी जोड़ भली-भांति स्वतंत्र रूप से गतिशील है या नहीं।
- (झ) उसे त्वचा की कोई प्रतीपन बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उग्र या पुरानी बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) प्रभावी टीकाकरण के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. हृदय तथा फेफड़ों की किन्हीं ऐसी असामान्यताओं का पता लगाने, जिन्हें सामान्य शारीरिक परीक्षण के आधार पर नहीं देखा जा सकता है, के लिए अभ्यर्थी की छाती का रेडियोग्राफी परीक्षण उस समय किया जाएगा जब उसे संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वैयक्तिक परीक्षण के लिए बुलाया जाएगा।

अभ्यर्थी की शारीरिक योग्यता के बारे में केन्द्रीय स्थायी चिकित्सा बोर्ड (संबंधित उम्मीदवार की चिकित्सा परीक्षा करने वाले) के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होगा।

सरकारी सेवा के लिए अभ्यर्थी के स्वास्थ्य के संबंध में जहां कहीं संदेह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष अभ्यर्थी की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी अभ्यर्थी पर मानसिक त्रुटि अथवा विचलन (एवरेजेशन) से पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनोविकार विज्ञान/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। चिकित्सा परीक्षक को अपनी राय लिखकर देनी चाहिए कि अभ्यर्थी से अपेक्षित दक्षतापूर्ण इयूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. चिकित्सा बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाल अभ्यर्थी को भारत सरकार द्वारा विहित रीति में 100.00/- रु. का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन अभ्यर्थियों को वापिस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जाएंगे। यदि अभ्यर्थी चाहे तो अन्य अपने योग्य होने के दावे के समर्थन में स्वास्थ्यता प्रमाण-पत्र सलग्न कर सकते हैं। अभ्यर्थी को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिनों के अंदर अपील करनी चाहिए, अन्यथा अपीलीय चिकित्सा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिए उनके अनुरोध पर कोई विचार नहीं होगा। अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च अभ्यर्थी को ही देना होगा। स्वास्थ्य परीक्षा के संबध में की जाने वाली यात्राओं के लिए कोई यात्रा भता या दैनिक भता नहीं दिया जाएगा। अपील के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबंध के लिए गृह मंत्रालय द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

#### चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट

चिकित्सा परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले मानकों में संबंधित अभ्यर्थी की आयु और सेवा की अवधि, यदि हो, के लिए उचित सम्यक ध्यान में रखा जाएगा।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सेवा में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (एम्प्लॉयिंग अथॉरिटी) को यह समाधान नहीं हो जाता है कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और चिकित्सा परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर प्रभावी सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के अभ्यर्थी की दशा में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या संदायों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो तो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला अभ्यर्थी की परीक्षा के लिए किसी महिला डॉक्टर को चिकित्सा बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामले में जबकि कोई अभ्यर्थी सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य घोषित किया जाता है तो मटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार अभ्यर्थी को बताए जा सकने हैं। किंतु चिकित्सा बोर्ड के द्वारा चिह्नित दोषों के बारे में उनका विस्तृत द्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामले में जहां चिकित्सा बोर्ड का यह विचार है कि सरकारी सेवा के लिए अभ्यर्थी को अयोग्य बनाने वाली छोटी-छोटी खराबी चिकित्सा (औषधि या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां चिकित्सा बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में अभ्यर्थी को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब यह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे चिकित्सा बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में सबधित प्राधिकारी स्वतंत्र है। यदि कोई अभ्यर्थी 'अस्थायी तौर पर अयोग्य' करार दिया जाए तो दोबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया छह महीने से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दोबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के सबध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) अभ्यर्थी का कथन और घोषणा :

अपनी चिकित्सा परीक्षा से पूर्व अभ्यर्थी को निम्नलिखित अपेक्षित कथन देनी चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करना चाहिए। नीचे दिए गए नोट में निम्नलिखित चेतावनी की आर अभ्यर्थी का विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए

- 1 अपना पूरा नाम लिखे (स्पष्ट अक्षरों में)
- 2 (क) अपनी आयु और जन्म का स्थान बताएं।

(ख) क्या आप अनुसूचित जनजाति या गारखा गढवाली, असमिया, नागालैण्ड जनजाति आदि में से किसी जाति से संबधित हैं जिसका औसतन कद दूसरों से कम होता है "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिए। यदि उत्तर 'हां' में हो तो उस जाति का नाम बताएं।

3 (क) क्या आपको कभी चंचक, रुक-रुक कर होने वाली या कोई दूसरा बुखार गंधियो (गलेडस) का बढना या इसमें पीप पडना निरंतर थूक में खून आना दमा, दिल की बीमारी, फेफड़ों की बीमारी, मूर्छा के दौर, स्मटिज्म, एपेडिसाइटिस हुआ है।

या

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना जिसके कारण शरीर पर लट रहना पड़ा है और जिसकी चिकित्सा औषधियाशल्य क्रिया द्वारा की गई हो, हुई है।

4. आपको टीका आखिरी बार कब लगा था।
- 5 क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण में किसी किस्म की अधीरता (नर्वसनेस) हुई है।

## 6. आपके परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें :-

यदि पिताजी जीवित हों तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी मृत्यु के समय आयु और मृत्यु का कारण
1.	2.	3.	4.
1.			
2.			
3.			
यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है। मृत्यु के समय उनकी आयु और मृत्यु के कारण
1.			
2.			
3.			

7. क्या इससे पहले किसी चिकित्सा बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?
8. यदि ऊपर के प्रश्न पर उत्तर 'हां' में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी?
9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?
10. कब और कहाँ चिकित्सा हुआ?
11. चिकित्सा बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।
12. उपर्युक्त सभी उत्तर मेरी सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सत्य तथा सही हैं तथा मैं अपने द्वारा दी गई किसी सूचना में की गई विकृति या किसी संगत जानकारी को छुपाने के लिए विधि के अधीन किसी भी कार्रवाई का भागी हूँगा। झूठी सूचनाएं देना या किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाना अयोग्यता मानी जाएगी और मुझे सरकार के अंतर्गत नियुक्ति के लिए अयोग्य माना जाएगा। मेरे सेवाकाल के दौरान किसी भी समय ऐसी कोई जानकारी मिलती है कि मैंने कोई गलत सूचना दी है या किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाया है तो मेरी सेवाएं रद्द कर दी जाएंगी।

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर .....

मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए .....

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर .....

## प्रपत्र

(ख) शारीरिक जांच (अभ्यर्थी का नाम) के संबंध में चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास : उत्तम .....

साधारण ..... अधम .....

पोषण : दुबला ..... अधम .....

मोटा ..... ऊँचाई : (बिना जूते के) .....

वजन ..... सर्वाधिक वजन .....

कब ..... वजन में

हाल में कोई परिवर्तन .....

तापमान .....

छाती की माप :

(1) छाती फुलाकर

(2) छाती फुलाए बिना

2. त्वचा : कोई स्पष्ट रोग

3. आँख

(1) कोई रोग .....

(2) रतौंधी .....

(3) वर्ण दृष्टि दोष .....

(4) दृष्टि दूरी .....

(5) विजुअल एक्यूटी .....

(6) फण्डस जांच .....

एक्यूटी ऑफ विजन	नग्न आँख चश्मा के साथ	कांच की शक्ति स्फेरिकल, सिलिंड्रिकल-एक्सिस
1	2	3

दूर दृष्टि

दायी आँख -

बायी आँख -

निकट दृष्टि

दायी आँख -

बायी आँख -

हाइपरमेट्रोपिया (स्पष्ट)

दायी आँख -

बायी आँख -

4. कान ..... जाच ..... श्रवण  
दायां कान .....  
बायां कान .....
5. ग्रंथियां ..... थायरॉयड .....
6. दोतों की स्थिति .....
7. श्वसन तंत्र : क्या शारीरिक जाच में श्वसन अंगों में कोई असामान्य बात दिखई दी है .....  
यदि हां, तो पूर्ण विवरण दें .....
8. परिसंचरण तंत्र :  
(क) हृदय : कोई ऑर्गेनिक लेजन .....  
स्थायी गति ..... 25 बार कूदने के बाद .....  
कूदने के 2 मिनट के बाद .....  
(ख) रक्तचाप :  
सिस्टोलिक ..... डायस्टोलिक .....
9. पेड़ : माप ..... टैंडरनेस .....  
हार्निया .....  
(क) पैल्पेबल यकृत ..... प्लीहा .....  
वृक्क ..... ट्यूमर .....  
हेमरॉयड्स ..... फिस्टूला .....
10. स्नायुतंत्र : स्नायु संबंधी अथवा मानसिक निःशक्तता
11. लोको मोटर सिस्टम : कोई असामान्यता .....
12. जेनाइटो यूरिनरी सिस्टम : हाइड्रोसिल, वेरिकोसील इत्यादि के कोई प्रमाण :  
.....  
मूत्र विश्लेषण :  
(क) दिखने में कैसा है .....  
(ख) विशेष समूह .....

(ग) एल्ड्यूमेन .....

(घ) शर्करा .....

(ङ) कास्ट्स .....

(च) कोशिकाएं .....

13. अभ्यर्थी जिस सेवा का है, उसमें कर्तव्य निर्वहन हेतु अयोग्य घोषित किए जाने का कोई कारण अभ्यर्थी के स्वास्थ्य में है?

टिप्पण महिला अभ्यर्थी के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह या अधिक अवधि से गर्भवती है, तो उसे विनियम 9 द्वारा अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

14. (i) क्या उसे भारतीय पुलिस सेवा में सक्षम और निरंतर रूप से अपना कर्तव्य निर्वहन करने के लिए हर तरह से योग्य पाया है?

15. छाती की एक्स-रे जांच

टिप्पण बोर्ड को निम्नलिखित तीन प्रवर्गों में से एक के अधीन अपने निष्कर्ष अधिलिखित करने चाहिए।

(i) अयोग्य

(ii) ..... के कारण अयोग्य

(iii) ..... के कारण अस्थायी रूप से अयोग्य

(iv) केवल शारीरिक रूप से निश्चित व्यक्तियों के लिए आरक्षित विनिर्दिष्ट रक्ति के लिए योग्य

स्थान:

अध्यक्ष

तारीख:

हस्ताक्षर

सदस्य

सदस्य

चिकित्सा बोर्ड की मुहर

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS****NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd March, 2012

**RULES**

**G.S.R. 116(E).**— The Rules for a Limited Competitive Examination to be held by the Union Public Service Commission in 2012 for the purpose of filling vacancies in the Indian Police Service (IPS) are thereby published for general information:

1. In pursuance of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954 the Central Government makes the following rules for the purpose of filling vacancies in the Indian Police Service.

2(1) The number of vacancies to be filled on the results of the examination shall be specified in the Notice issued by the Commission. The Reservation in respect of vacancies shall be made for the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Class as fixed by the Central Government.

2(2) The Indian Police Service is exempted from Physically Handicapped reservation. No reservation shall be available for recruitment of Physically Handicapped category candidates in this examination.

3. The candidates shall indicate their preferences for cadre (State or Union Territory) allocation and in case no preference is given by a candidate for cadre allocation, it shall be assumed that he or she does not have specific cadre preference for the service provided, if a candidate cannot be allocated to any cadre of his or her choice, he or she shall be allotted to any of the remaining cadres in which vacancies exist and the decision of the Central Government in respect of cadre allocation shall be final.

4(1) The written examination shall be conducted by the Union Public Service Commission in the manner specified in Appendix – I annexed to these Rules.

4(2) The date(s) on which and the places at which the examination shall be held be fixed by the Commission.



5. The candidates, who fulfill the following eligibility criteria shall be eligible for the examination, namely :-

- (a) shall be a citizen of India or shall belong to such category of persons as may be, from time to time, be notified in this behalf by the Central Government ;
- (b) shall have completed five years of continuous and actual service as Deputy Superintendent of Police in States under State Police Service or Assistant Commandants in Central Para Military Forces (Central Reserve Police Service, Border Security Force, Indo Tibet Border Police, Central Industrial Security Force and Sashastra Seema Bal) or Officers of the Rank of Captain or Major or equivalent in the Armed Forces.
- (c) should have an unblemished service record.

6(1) A candidate must not have attained the age of 35 years on the 1<sup>st</sup> August, 2012 i.e. he/ she must have been born not earlier than 2<sup>nd</sup> August, 1977, however, the upper age limit prescribed above shall be relaxable up to a maximum of one year for Other Backward Classes category candidates and two years for candidates belonging to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribe.

6(2) The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognized by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which shall be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate and no other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like shall be accepted.

**Explanation:** The expression Matriculation or Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

**Note-I :** Candidates shall note that the date of birth as recorded in the Matriculation or Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate shall only be accepted by Commission and no subsequent request for its change shall be considered or granted.

**Note-II:** Candidates shall also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the Commission for the purpose of admission to an examination, no change shall be allowed subsequently (or at any other examination of the Commission) on any grounds whatsoever.

- 6(3) Save as provided above, the age limits prescribed can in no case be relaxed.
7. Every candidate appearing at the examination who is otherwise eligible, shall be permitted two attempts at this examination which may be further relaxed by one additional attempt in case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes.
8. A candidate shall hold a degree of any of the University incorporated by an Act of the Parliament or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.
- 9(1) After the Notification of these rules in the Gazette of India, the candidates shall have to submit their application within the last date of receipt of application as specified by the Union Public Service Commission in the prescribed form.
- 9(2) The candidates, while sending an application to the Union Public Service Commission, shall give an undertaking to the effect of that they have intimated their respective authorities the fact that they are applying in the Limited Competitive Examination for Indian Police Service.
- 9(3) The candidates shall also have to submit separately another copy of their application to Union Public Service Commission through proper channel, wherein their Cadre Controlling Authorities shall have to verify that they are clear from vigilance angle and are having requisite service of five years in the eligible grades.
- 9(4) The Union Public Service Commission shall initially consider eligibility of a candidate in the Limited Competitive Examination for recruitment to the Indian Police Service on the basis of the self-certification done on the applications submitted directly by

the candidates, however the non-receipt of their applications through proper channel with eligibility conditions duly verified, shall result in rejection of the candidature at a later stage of the examination and the decision of the Union Public Service Commission as to the acceptance of the application of a candidate and his/her eligibility or otherwise for admission to the examination shall be final.

10. The candidates applying for the examination shall ensure that they fulfill all the eligibility criteria for admission to the examination and their admission at all the stages of examination for which they are admitted viz. Written Examination and Personality test will be purely provisional subject to their satisfying the prescribed eligibility criteria and if on verification at any time before or after the written examination and Personality test, it is found that they do not fulfill any of the requisite eligibility criteria; their candidature for the Examination shall be rejected.

11. The Admission Certificates to the eligible candidates shall be issued by the Union Public Service Commission and no candidate shall be admitted to the Examination unless he or she holds a valid Admission Certificate issued by the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of:-

(i) Obtaining support for his or her candidature by the following means, namely:-

(a) offering illegal gratification to, or

(b) applying pressure on, or

(c) blackmailing, or threatening to black mail any person connected with the conduct of examination, or

(ii) impersonating, or

(iii) procuring impersonation by any person, or

(iv) submitting fabricated documents, or documents which have been tampered with, or

(v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or

(vi) resorting to in connection with his or her candidature for the examination, namely:

(a) obtaining copy of question paper through improper means, or

- (b) finding out the particulars of the persons connected with secret work relating to the examination, or
- (c) influencing the examiners, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing obscene matter or drawing obscene sketches in the scripts, or
- (ix) misbehaving in the examination hall including tearing of the scripts provoking fellow examinees to boycott examination, creating disorderly scene and the like, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) being in possession of or using any mobile phone, pager or any electronic equipment or device or any other equipment capable of being used as a communication device during the examination, or
- (xii) violating any of the instructions issued to candidates along with their admission certificates permitting them to take the examination, or
- (xiii) attempting to commit or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself or herself liable to criminal prosecution be liable also –
  - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he or she is a candidate and/or
  - (b) to be debarred either permanently or for a specified period,
    - (i) by the Commission from any examination or selection held by them.
    - (ii) by the Central Government or the State Government from any employment under them, and for any disciplinary action under the appropriate rules:

Provided that no penalty under these rules shall be imposed except after,

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation, in writing as he or she may prefer to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him or her into consideration.

13.(1) The candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission shall be called for the interview for Personality Test to be conducted by the Commission and the candidates shall be recommended by the Commission as per the merit list drawn on the basis of aggregate performance in the written test and the interview.

- (2) The Commission shall retain discretion to fix the minimum qualifying marks in any or all of the objective papers and to evaluate conventional papers of only those candidates who secure minimum qualifying marks in the objective papers.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other backward classes may be called for the Interview for Personality Test by applying relaxed standards, if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these categories are not likely to be called for the Interview for Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14.(1) After the interview, the candidates shall be arranged by the Commission in order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order the candidates who are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the result of the examination.

- (2) The candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes may to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and the Other Backward Classes be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for selection to the Post.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes who have not availed themselves of any of the concessions or relaxations in the eligibility or the selection criteria, at any stage of the examination and who after taking into account the general qualifying standards are found fit for recommendation by the Commission shall not be recommended against the vacancies reserved for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and Other Backward Classes.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission and the Commission shall not enter into any correspondence with them regarding the result.

16.(1) A candidate shall be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the service.

(2) A candidate, who after such medical examination as the Central Government or the appointing authority, as the case may be, may specify, does not satisfy these requirements shall not be appointed and any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination to be conducted by the Ministry of Home Affairs.

(3) No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for the medical examination.

17.(1) A candidate shall be eligible to get the benefit of community reservation only in case the particular caste to which the candidate belongs is included in the list of reserved communities issued by the Central Government.

(2) If a candidate indicates in his or her application form that he or she belongs to General Category but subsequently intimates to the Commission to change his or her category, to a reserved one, such request shall not be entertained by the Commission.

Provided that there may be a few cases where within ninety days between the issuance of a Government Notification enlisting a particular community in the list of any of the reserved communities and the date of submission of the application by the candidate, the request of change of community from general to reserved may be considered by the Commission on merit.

(3) The closing date fixed for the receipt of the application shall be treated as the date for determining the Other Backward Classes status (including that of creamy layer) of the candidate.

18. No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to Service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. The list of recommended candidates shall be forwarded by the Commission to the Ministry of Home Affairs for issue of offer of appointment with cadre allocation in respect of the selected candidates who are found medically fit as per Medical Examinations carried out by the Government and the selected candidates shall undergo training as decided by the Government and shall remain on probation for a period of two years.

20. Transport Allowance and Dearness Allowance for Journey expenses shall be allowed to the candidates for attending the Examination as per their entitlements, by their respective Offices.

[F. No. I-11016/4/2009-IPS. I]

K. K. MITTAL, Jt. Secy.

#### APPENDIX-I

### Scheme and Syllabus of the Written Examination for the Limited Competitive Examination for recruitment to the Indian Police Service

#### APPENDIX I

#### SECTION I

#### PLAN OF EXAMINATION

The Examination will comprise of two components viz: Written Examination and Interview for Personality Test.

The details of the Written Examination and Interview are given in the following table.

Paper I	Objective Type	2 hours duration	200 Marks
Paper II	Objective Type	2 hours duration	200 Marks
Paper III English Language*	Descriptive Type	3 hours duration	200 Marks
Paper IV Essay	Descriptive Type	3 hours duration	200 Marks
Paper V General Studies	Descriptive Type	3 hours duration	200 Marks
Interview			200 Marks

Note 1: Total Marks for Written Examination and Interview will be 1000 marks.

Note 2\* : Paper III is only qualifying in nature and the marks for Paper-III will not be counted for merit ranking.

Note 3: The objective type papers will be qualifying in nature for evaluating Descriptive Type Papers. However, marks obtained will be counted for merit ranking.

Note 4: In cases, where simultaneous evaluations of Papers III and IV / V are resorted to for saving time, the Commission retains the discretion to treat the Papers IV and V of such candidates who do not attain the qualifying standards for Paper-III as "deemed to be not evaluated."

**(a) Papers I and II (Objective Type)**

**Note :**

- (i) Both the question papers will be objective type (multiple choice questions).
- (ii) The question papers will be set both in Hindi and English. However, questions relating to English Language Comprehension skills of Class X level will be tested through passages from English language only without providing Hindi translation thereof in the question paper.
- (iii) Details of the syllabi are indicated in Part A of Section II.
- (iv) There will be negative marking for incorrect answers (as detailed below) for all questions except some of the questions where the negative marking will be inbuilt in the form of different marks being awarded to the most appropriate and not so appropriate answer for such questions.
  - (a) There are four alternatives for the answers to every question. For each question for which a wrong answer has been given by the candidate, one-third (33%) of the marks assigned to that question will be deducted as penalty.
  - (b) If a candidate gives more than one answer, it will be treated as a wrong answer even if one of the given answers happen to be correct and there will be same penalty as above for that question.
  - (c) If a question is left blank i.e. no answer is given by the candidate, there will be no penalty for that question."

**(B) Paper III, Paper IV and Paper V (Descriptive Type)**

- (a) Paper III :- English Language paper. This paper would be of Matriculation standard and qualifying in nature only. Its marks will not be counted for preparation of merit ranking.
- (b) Paper IV :- Essay paper. It will comprise of two essays, one on security aspect and the other on various developmental aspect of the society.
- (c) Paper V:-General Studies paper covering various aspects like Elementary Principles of Public Law, State Policy, Fundamental Rights, Human Rights, Disaster Management, National Security etc.

**Note:**

- (i) Syllabi of Descriptive Type Papers (Paper III, IV and V) are indicated in Part B of Section II.



- (ii) The Essay Paper (Paper IV) and the General Studies Paper (Paper V) (Descriptive Type) will have to be answered either in English or in Hindi. Attempting answers in any other language or use of mixed language (i.e. partly in Hindi and partly in English) is not permissible.
- (iii) Candidates must write the papers in their own hand.
- (iv) The Commission has discretion to fix qualifying marks in any or all the papers of the examination.
- (v) If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him/her. In extreme cases, the paper may not be evaluated.
- (vi) Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.
- (vii) Credit will be given for orderly, effective, and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.
- (viii) In the question papers, wherever required, SI units will be used.
- (ix) Candidates should use only International form of Indian numerals (i.e. 1, 2, 3, 4, 5, 6 etc.) while answering question papers.
- (x) Candidates must strictly follow directions/instructions given in the question paper(s).

### (C) Interview for Personality Test

The candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career. He will be asked questions on matters of general interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for a career in public service by a Board of competent and unbiased observers. The test is intended to judge the mental caliber of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also social traits and his interest in current affairs. Some of the qualities to be judged are mental alertness, critical powers of assimilation, clear and logical exposition, balance of judgment, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership, intellectual and moral integrity.

The technique of the interview is not that of a strict cross-examination but of a natural, though directed and purposive conversation which is intended to reveal the mental qualities of the candidate.

The interview test is not intended to be a test either of the specialized or general knowledge of the candidates which has been already tested through their written papers. Candidates are expected to have taken an intelligent interest not only in their special subjects of academic study but also in the events which are happening around them both within and outside their own State or Country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

## SECTION II

### SYLLABI FOR THE EXAMINATION

#### Part A

##### PAPERS OF OBJECTIVE TYPE

##### Paper I - (200 marks) Duration : Two hours

- Current events of national and international importance
- History of India and Indian National Movement
- Indian and World Geography-Physical, Social, Economic

##### Geography of India and the World.

- Indian Polity and Governance-Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues, etc.
- Economic and Social Development-Sustainable Development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector Initiatives, etc.
- General issues on Environmental ecology, Bio-diversity and Climate Change - that do not require subject specialization
- General Science.

##### Paper II-(200 marks) Duration : Two hours

- Comprehension
- Interpersonal skills including communication skills:
- Logical reasoning and analytical ability
- Decision making and problem solving
- General mental ability
- Basic numeracy (numbers and their relations, orders of magnitude, etc.) (Class X level), Data interpretation (charts, graphs, tables, data sufficiency etc. — Class X level)
- English Language Comprehension skills (Class X level).

Note : Questions relating to English Language Comprehension skills of Class X level (last item in the Syllabus of Paper-II) will be tested through passages from English language only without providing Hindi translation thereof in the question paper.

#### Part B

##### PAPERS OF DESCRIPTIVE TYPE

**Paper III : English (200 marks / 3 hours duration) :- This will be a qualifying test only of Matriculation or equivalent standard.**

The aim of the paper is to test the candidate's ability to read and understand serious discursive prose, and to express his ideas clearly and correctly, in English.

The pattern of questions would be broadly as follows (indicative only) :—

- (i) Comprehension of given passages;
- (ii) Precis Writing;
- (iii) Usage and Vocabulary;
- (iv) Paragraphs writing;

**Note 1 :** Answer to all questions in this Paper will have to be attempted in English only.

**Paper IV : Essay ( 200 Marks/ three hours duration)**

Candidates will be required to write two Essays. One topic will pertain to Indian Society/politics/Economy/Development, Growth and related aspects. The other topic will pertain to security and related matters. Candidates will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

**Paper V : General Studies (200 Marks/ three hours duration)**

The questions will be such as to test a candidate's awareness of a variety of subjects and are likely to test the candidate's basic understanding of all relevant issues, and ability to analyze, and take a view on conflicting socio-economic goals, objectives and demands. The candidates must give relevant, meaningful and succinct answers.

**Note :** This paper can be answered by the Candidates either in English or in Hindi. Attempting answers in any other language or use of 'mixed' language (i.e. partly in English and partly in Hindi) is not permissible.

**Syllabus:**

- a) A brief idea about History and Geography of India.
- b) Constitution of India and Indian Polity:

This part will include questions on the Constitution of India, as well as all constitutional, legal, administrative and other issues emerging from the politico-administrative system prevalent in the country.

- c) Current National Issues and Topics of Social Relevance :

This part is intended to test the Candidate's awareness of current national issues and topics of social relevance in the present-day India, such as the following :

- (i) The Indian economy and issues relating to planning, mobilization of resources, growth, development and employment.
- (ii) Issues arising from the social and economic exclusion of large sections from the benefits of development.
- (iii) Other issues relating to the development and management of human resource.
- (iv) Health issues including the management of Public Health, Health education and ethical concerns regarding health-care.
- (v) Law enforcement, internal security and related issues such as the preservation of communal harmony.
- (vi) Issues relating to good governance and accountability to the citizens including the maintenance of human rights, and of probity in public life.
- (vii) Environmental issues, ecological preservation, conservation of natural resources and national heritage.

- d) India's diversity, unity amidst diversity and pluralism as a part of the functioning of Indian Society. Conflicts due to political, economic, social and cultural reasons. Conflict resolution.
- e) Democratic rights and privileges of citizens. Emerging social changes/trends relevant to governance.
- f) National Security: Structure and functions of Defence Forces, Para-military Forces and Police. Origin, growth and dimensions of fundamentalism, militancy and terrorism. Local, regional, national and international dimensions of organized crime and terrorism; and efforts at countering them. "White-collar" and cyber crime, money laundering and tax-havens. Technology in crime detection, prevention and investigation, including forensics. Weapons and weapons training that a uniformed officer should be aware of. Food security, energy security, water security, technological self-reliance as a part of security objectives, Disaster Management including natural and man made disasters.
- h) Statistical Analysis, graph and diagrams : This part will test the candidate's ability to draw conclusions from information presented in Statistical, graphical or diagrammatical form and to interpret them.

## **APPENDIX II**

### **Brief particulars relating to the Indian Police Service to which recruitment is made through IPS Limited Competitive Examination**

(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended subject to certain conditions. Successful candidates will be required to undergo prescribed training at such places and in such manner and pass such examinations during the period of probation as Government may determine.

((b) If in the opinion of Government, the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or, as the case may be, revert him to the permanent post, on which he holds a lien or would hold a lien had it not been suspended under the rules applicable to him prior to his appointments to the Service.

(c) On satisfactory completion of his period of probation Government may confirm the officer in the Service or if his work or conduct has, in the opinion of Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period, subject to certain conditions as Government may think fit.

(d) An officer belonging to the Indian Police Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(e) Scales of Pay :—

Rank	Time-Scale	Pay Scale		
		Revised Pay-scale	Grade Pay	Pre-revised
SP	Junior Scale	Rs.15,600-39,100	5400	Rs.8,000-275-13,500
	Senior Scale	Rs.15,600-39,100	6600	Rs.10,000-325-15,200
	Junior Administrative Grade	Rs.15,600-39,100	7600	Rs.12,000-375-16,500

	Selection Grade	Rs.37,400-67,000	8700	Rs.14,300-400-18,300
DIG	Super time Scale	Rs 37,400-67,000	8900	Rs.16,400-450-20,000
IG	Super-time Scale	Rs.37,400-67,000	10,000	Rs.18,400-500-22,400
ADG	Above Super-time Scale	Rs.37,400-67,000	12,000	Rs.22,400-525-24,500
DG	Above Super-time Scale	HAG-Rs.75,500-80,000	Nil	Rs.24,050-650-26,000
		(Increment @ 3%)		
		Rs.80,000 (Fixed)		Rs. 26,000 (Fixed)

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time under the All India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972.

A probationer will start on the junior time scale and be permitted to count the period spent on probation towards leave pension or increment in the time scale.

(f) Provident Fund.—Officers of the Indian Police Service are governed by the All India Service (Provident Fund) Rules, 1955, as amended from time to time.

(g) Leave.—Officers of the Indian Police Service are governed by the All India Service (Leave) Rules, 1955 as amended from time to time.

(h) Medical Attendance.—Officers of the Indian Police Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Service Medical Attendance Rules, 1954, as amended from time to time.

(i) Retirement Benefit.—Officers of the Indian Police Service appointed on the basis of Competitive examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958 as amended from time to time.

### APPENDIX III

## **REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATIONS OF CANDIDATES**

The regulations are published for the convenience of candidates and enable them to ascertain the probability of their possessing the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners. For the Medical Boards, it may be kept in their mind that Indian Police Service comes under the category of Technical Service.

1. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

2. To be passed as fit for appointment, a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties on his appointment.

"2. (a) In the matter of co-relation of age limit, height and chest girth of candidates of India including Anglo-Indian race), it is left to the Medical Board to use whatever correlation figure are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board."

(b) However, for Indian Police Service minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows:—

	Height	Chest	Expansion girth fully expanded
Men:	165 cm	84 cm	5 cm
Women:	150 cm	70 cm	5 cm

**Note:** The following relaxed minimum height standard in case of candidates belonging to the Scheduled Tribes and to the races such as Gorkhas, Assamese, Kumaonis, Nagaland are applicable to Indian Police Service.

Men 160 cms.

Women 145 cms.

3. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toe or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with heels calves buttocks and shoulder touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimeters and parts of a centimeter to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :

He will be made to stand erect with his feet together and to raise arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimeters 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimeter should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) **General**—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any morbid conditions of eye, eyelids or contiguous structure of such a sort as to render or are likely at future date to render him unfit for service.

(ii) **Visual Acuity**—The examination for determining the acuteness of visions includes two tests—one for distant the other for near vision. Each eye will be examined separately.

(b) There shall be no limit for maximum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses for different types of services.

(d) (i) The Indian Police Service which is a Technical Service concerned with the safety of public the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed minus 4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed plus 4.00 D :

Provided that in case a candidate in respect of the Indian Police Service which is classified as "Technical" is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(ii) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

(e) Field of Vision : The field of vision shall be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

	Better eye (corrected vision)	Worse eye
1. Distant vision:	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9
2. Near vision :	J1**	J2**
3. Types of corrections permitted	Spectacles	
4. Limits of refractive error : permitted		+4.00 D (including cylinder)-Non-Pathological Myopia +4.00 D (including cylinder) (Hypermetropia)
5. Colour vision requirements :		High Grade
6. Binocular vision needed :		Yes

\*To be referred to a Special Board of Ophthalmologists.

(f) Night Blindness : Broadly there are two types of night blindness : (1) as a result of Vitamin A deficiency and (2) as a result of Organic disease of Retina—common cause being Retinitis Pigmentosa. In (1) the fundus is normal, generally seen in younger age group and ill nourished persons and improves by large doses of Vitamin A. In (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is

an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) Specially when fundus is not involved Electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require as a routine test in a medical check up.

(g) Colour Vision : The testing of colour vision shall be essential in respect of the Indian Police Service.

Following higher grade of Colour perception should be required for the Indian Police Service:-

- |  |           |
|--|-----------|
| 1. Distance between the lamp and candidate | 16 ft     |
| 2. Size of aperture                        | 1.3 mm.   |
| 3. Time of exposure                        | 5 seconds |

Satisfactory colour vision constitutes, recognition with ease and without hesitation of signal red, green and yellow colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable Edrige Green's lantern shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient in respect of services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed. However, both the Ishihara's plates and Edrige Green's lantern shall be used for testing colour vision of candidates.

(h) Ocular condition other than visual acuity—

(i) Any organic disease or a progressive refractive error, which is likely to result in lowering visual acuity, should be considered a disqualification.

(ii) Squint : For technical services where the presence of binocular vision is essential squint, even if the vision acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other service the presence of squint should not be considered as a disqualification if the visual acuity is of the prescribed standards.

(iii) Contact Lenses : During the medical examination of candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test the illumination of the typed letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

#### 6. Blood pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) with Young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) with subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc.



or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will however, rest with the medical board only.

### Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the cloth to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following returns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sound are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sound will be heard to increase in intensity. The level at which the well heard clear sound change to soft muffed fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the reading. Rechecking if necessary should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This silent Gap may cause error in readings.

7. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit, subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion. "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effect of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

8. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

9. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if

the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard .—

- |   |  |
|---|--|
| (1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal.  | Not Fit for the job if the deafness is up to 30 Decibel in higher frequency.   |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.                | Fit if the deafness is up to 30 Decibel in speech frequencies of 1000—4000.  |
| (3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type.   | <p>(i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present. Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.</p> <p>(ii) Marginal or attic perforation in both ears unfit.</p> <p>(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.</p> |
| (4) Ears with mastoid cavity Subnormal hearing on one Side/on both sides.                                   | <p>(i) Either ear normal hearing other ear mastoid cavity - Fit</p> <p>(ii) Mastoid cavity of both sides - Unfit</p>   |
| (5) Persistently discharging ear operated/unoperated  | Temporarily Unfit  |
| (6) Chronic Inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal Septum.       | <p>(i) A decision will be as per circumstances of individual cases.</p> <p>(ii) If deviated nasal Septum is present with Symptoms — Temporarily unfit.</p>   |
| (7) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and or Larynx.   | <p>(i) Chronic Inflammatory conditions of tonsils and/ or Larynx — Fit.</p> <p>(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then Temporarily unfit.</p>  |
| (8) Benign or locally Malignant tumours of the E.N.T.<br>E.N.T  | <p>(i) Benign tumours—<br/>Temporarily unfit.</p> <p>(ii) Malignant Tumour — unfit.</p>  |
| (9) Otosclerosis If the hearing is within 30 Decibels after operation<br>or<br>with the help of hearing aid | Fit.   |
| (10) Congenital defects of ear.   | <p>(i) If not interfering with nose or throat functions - Fit.</p> <p>(ii) Stuttering of severe degree—Unfit.</p>  |
| §§§ Nasal/poly  | Temporarily Unfit.   |

- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient and that the hearts and lungs are sound,
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and enveloped and that there is free and perfect motion all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect.
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest of candidate for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination, will be done at the time when he is called for the Personality Test by the Union Public Service Commission.

The decision of the Chairman of the Central Standing Medical Board (conducting the medical examination of the concerned candidate) about the fitness of the candidate shall be final.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 100.00 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates; otherwise request for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The Medical Examination by the Appellate Medical Board would be arranged at New Delhi only and no traveling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Boards would be taken by the Ministry of Home Affairs on receipt of appeal accompanied by the prescribed fee.

**MEDICAL BOARD'S REPORT**

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examination :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government or appointing authority as the case may be that he has no disease constitutional affliction, or bodily infirmity, unfitting him or likely to unfit him for that Service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as present and that one of the main objects of medical examinations is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of pre-mature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A Lady Doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the ground for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In case where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government Service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to the effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to the effect by the appointing authority and when cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board. In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters) .....

2. (a) State your age and birth place .....

(b) Do you belong to races such as Gorkhas,  
Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc.

whose average height is distinctly lower,  
Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes'  
state the name of the race.

- 3.(a) Have you ever had smallpox intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attack, rheumatism, appendicitis?

OR

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

4. When were you last vaccinated?
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other causes.
6. Furnish the following particulars concerning your family :—

FATHER'S AGE IF LIVING AND STATE OF HEALTH	FATHER'S AGE AT DEATH AND CAUSE OF DEATH	NO. OF BROTHERS LIVING THEIR AGE AND STATE OF HEALTH	NO. OF BROTHERS DEAD, THEIR AGE, AND CAUSES OF DEATH
--	---	---	---

1	2	3	4
1.			
2.			
3.			

MOTHER'S AGE IF LIVING AND STATE OF HEALTH	MOTHER'S AGE AT DEATH AND CAUSE OF DEATH	NO. OF SISTERS LIVING THEIR AGE AND STATE OF HEALTH	NO. OF SISTERS DEAD, THEIR AGE, AND CAUSES OF DEATH
--	---	--	--

1	2	3	4
1.			
2.			
3.			

7. Have you been examined by a Medical Board before ?

8. If answer to the above is "Yes", please state what service/services you were examined for ?

9. Who was the examining authority ?

10. When and where was the Medical Board held ?

11. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.

12. All the above answers are to the best of my knowledge and belief, true and correct and I shall be liable for action under law for any material infirmity in the information furnished by me or suppression of relevant material information. The furnishing of false information or suppression of any factual information would be a disqualification and is likely to render me unfit for employment under the Government. If the fact that false information has been furnished or that there has been suppression of any factual information comes to notice at any time during my service, my services would be liable to the terminated.

Candidate's signature

Signed in my presence

Signature of the Chairman of the Board

### PROFORMA

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate) Physical Examination.

1. General development : Good \_\_\_\_\_  
 Fair \_\_\_\_\_ Poor \_\_\_\_\_
- Nutrition : Thin \_\_\_\_\_ Average \_\_\_\_\_  
 Obese \_\_\_\_\_ Height : (Without Shoes) \_\_\_\_\_  
 \_\_\_\_\_ Weight \_\_\_\_\_
- Best Weight \_\_\_\_\_ When \_\_\_\_\_  
 any recent changes in weight \_\_\_\_\_
- Temperature \_\_\_\_\_
- Girth of chest :  
 (1) After full inspiration  
 (2) After full expiration
2. Skin : Any obvious disease
3. Eyes :  
 (1) Any disease.....  
 (2) Night blindness .....  
 (3) Defect in colour vision .....  
 (4) Field of vision .....  
 (5) Visual acuity .....

## (6) Fundus examination .....

Acuity of vision	Naked eye with glasses	Strength of glass sph. cyl. Axis
1	2	3
Distant vision		
RE		
LE		
Near vision		
RE		
LE		
Hypermetropia (Manifest)		
RE		
LE		

## 4. Ears—Inspection..... Hearing :

Right Ear.....

Left Ear .....

## 5. Glands..... Thyroid.....

## 6. Condition of teeth .....

## 7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs.....

If yes explain fully:.....

## 8. Circulatory System :

(a) Heart : Any Organic Lesions..... Rates  
 Standing..... After  
 hopping 25 times.....  
 2 minutes after hopping

## (b) Blood Pressure :

Systolic.....Diastolic.....

## 9. Abdomen :

Girth .....Tenderness.....

Hernia.....

(a) Palpable Liver Spleen .....

Kidneys.....Tumours:.....

Haemorrhoids.....Fistula.....

## 10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities.....

## 11. Loco Motor System : Any abnormality .....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele etc.

Urine Analysis :

- (a) Physical appearance.....
- (b) Sp Gr.....
- (c) Albumen.....
- (d) Sugar.....
- (e) Casts.....
- (f) Cells.....

13. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

Note.—In the case of female candidate, if it is found— that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she would be declared temporarily unfit vide Regulation 9.

14. (i) State whether the candidate has been found to be qualified in all respects, for the efficient and continuous discharges of his/her duties in I.P.S:

15. Chest X-Ray Examination.

Note : The Board should record their findings under one of the following three categories :—

- (i) Fit .....
- (ii) Unfit on account of.....
- (iii). Temporarily unfit on account of.....
- (iv) Fit only for specified vacancy reserved for physically impaired .....

Place

Chairman

Signature

Member

Date

Member

Seal of the Medical Board